ओमशान्ति मीडिया

21st ANNIVERSARY OM SHANTI MEDIA

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -21 अंक - 14 अक्टूबर-II-2019 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

शांति और सद्भाव के लिए अध्यात्म अपनाएं

▪ चार दिवसीय नेशनल मीडिया महासम्मेलन ▪ भारत तथा नेपाल से पहुंचे 1600 मीडियाकर्मी

शांतिवन। विश्व शांति दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा 'शांति और सद्भावना की स्थापना के लिए अध्यात्म में मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित मीडिया महासम्मेलन में उपस्थित भारत व नेपाल के 1600 मीडिया कर्मियों को सम्बोधित करते हुए मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहा कि 140 देशों में फैली ब्रह्माकुमारी संस्था शांति व सद्भाव का संदेश प्रवाहित कर रही है। 10 लाख परिवार इससे जुड़े हुए हैं। 40 हज़ार समर्पित बहनें और 10 हज़ार भाई समर्पित भाव से विश्व कल्याण के लिए संस्था में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मियों को भी सकारात्मक रुख अपनाते हुए हर भले कार्य में सहभागी बनना चाहिए। आध्यात्मिकता के माध्यम से ही हम विश्व का नवनिर्माण कर पायेंगे। दूरदर्शन बैंगलोर की सहायक निदेशिका निर्मल यालीगर ने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का जो नारा अब दिया जा रहा है, वह ब्रह्माकुमारीज़ बीते कई दशकों से सार्थक कर रही है। अच्छे समाज का निर्माण हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। मीडिया इनिशिएटिव फॉर वैल्यूज़ के राष्ट्रीय कन्वेनर प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि सद्भाव के लिए पत्रकारिता को और पत्रकारों को अपनी आंतरिक शक्ति में वृद्धि करनी ही होगी। महाराष्ट्र वन चैनल के कार्यकारी सम्पादक संदीप चौहान ने कहा कि पत्रकारों को स्वार्थ से ऊपर उठकर परहित को ध्यान में रखकर ही समाज में बदलाव लाने का प्रयत्न करना होगा। विक्रम राव,प्रेसिडेंट, इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट ने कहा कि मीडिया को अध्यात्म से जोड़ने का प्रयास उचित है। रूहानी बातें सही हैं। इससे हमारे अन्दर और सुधार आयेगा। इस प्रयत्न की प्रशंसा की जानी चाहिए। उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य पूरन प्रकाश ने कहा कि दुनिया में कितनी बेचैनी है जबकि यहाँ मुझे शांति का साम्राज्य दिख रहा है। बिना आध्यात्मिकता शांति नहीं आ सकती। इस अवसर पर राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी ने राजयोग द्वारा शांति की गहन अनुभूति कराई। राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रकला ने मंच संचालन किया।

मीडिया सम्मेलन में सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, साथ में ब्र.कु. करुणा, पूरन प्रकाश, ब्र.कु. शीलू, विक्रम राव व संदीप चौहान।

अपनी लेखनी का उपयोग दूसरों के हित के लिए करें - निर्वैर

संस्था के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने आह्वान किया कि अशांति के दावानल में धधक रही दुनिया में मीडियाकर्मी अपनी लेखनी से शांति और सद्भाव फैलाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि परमात्मा ने स्वर्ग रुपी दुनिया रची लेकिन आज कुछ महाशक्तियां मिसाइलों के ढ़ेर लगाने में जुटी हुई हैं। ना जाने कब किस मनुष्य को क्रोध आ जाये और वो इन मिसाइलों का बटन दबा दें। जरुरत इस बात की है कि निरस्त्रीकरण के सिद्धांत को आत्मसात किया जाये। सच्चे स्वधर्म को पहचानें और विकारों को त्यागते हुए अपने परिवारों को दुःख से मुक्त करें। ऐसे भागीरथी कार्य में सफलता मीडिया के सहयोग से ही मिल सकती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को खुद से यह पूछना चाहिए कि हम कौन हैं? हम मीडियाकर्मी बाद में हैं मगर हम आत्माएं पहले हैं। इस समझ से हमारे जीवन में आध्यात्मिकता का संचार हो जायेगा और हम अपना लक्ष्य प्राप्त कर पायेंगे।

आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत युवा ही करेगा विश्व का नव निर्माण

'युवा महोत्सव और ध्यानाभ्यास शिविर' में लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला, मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक संग्राम चौधरी, राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन, युवा प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. चंद्रिका, राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी।

ओ.आर.सी.। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा युवाओं को दिया जा रहा मार्गदर्शन समाज में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है। वर्तमान समय नैतिक पतन को रोकने का कार्य केवल आध्यात्मिकता के माध्यम से ही संभव है। उक्त विचार देश के लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला ने ब्रह्माकुमारीज़ के ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर में युवाओं के लिए आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत नौजवान ही स्वर्णिम विश्व का निर्माण कर सकता है। मदर डेयरी के प्रबन्ध निदेशक संग्राम चौधरी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की समृद्धि उसके नागरिकों की सम्पन्नता पर निर्भर करती है। मैं पिछले 25 वर्षों से ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में हूँ। यहाँ पर सिखाये जाने वाले राजयोग से मैंने स्वयं में महान परिवर्तन महसूस किया। ब्रह्माकुमारी संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि उमंग-उत्साह है तो जीवन है। बिना उमंग-उत्साह के व्यक्ति मृतक के समान है। उन्होंने उमंग-उत्साह को अपने जीवनशैली में बनाये रखने पर ज़ोर दिया। ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि जब हम समझते हैं कि मैं ज़िम्मेवार हूँ, तो अनेकों को प्रेरणा स्वतः ही मिलती है। संसार को बदलने से पहले हमें स्वयं को बदलना ज़रूरी है। अहमदाबाद से संस्था के युवा प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने ब्रह्माकुमारीज़ के युवा प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय संस्था में 4 लाख ऐसे युवा हैं, जो ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं, और सभी व्यसनों और बुराइयों से मुक्त हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के द्वारा समय-समय पर देश भर में अनेक यात्रायें और अभियान आयोजित किये जाते हैं। युवा प्रभाग का लक्ष्य देश व विश्व के युवाओं को प्रेरित कर एक स्वर्णिम विश्व का निर्माण करना है। कार्यक्रम में युवाओं को आध्यात्मिक एवं योग से संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. जागृति एवं ब्र.कु. फाल्गुनी ने किया।

आध्यात्मिक युवा रिट्रीट में...

राजयोग से ही होता महान परिवर्तन - चौधरी

उमंग-उत्साह है, तो जीवन है - ब्र.कु. बृजमोहन

स्वयं को ज़िम्मेवार समझने से मिलती प्रेरणा - ब्र.कु. आशा

चार लाख ब्रह्मचारी युवा कर रहे विश्व नव-निर्माण - ब्र.कु. चंद्रिका

धूमधाम से मनाया विश्व शांति सरोवर का प्रथम वार्षिक उत्सव

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के जामठा स्थित विश्व शांति सरोवर का प्रथम स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। ब्र.कु. प्रेमप्रकाश के सत्तरवें जन्म दिवस पर अनेक रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गयी।

नागपुर-जामठा। रिट्रीट सेंटर के प्रथम स्थापना दिवस पर ईशु दादी,माउण्ट आबू ने अपने आशीर्वचन में विश्व शांति सरोवर के प्रति अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि पुष्पा रानी बहन की शुभ इच्छा थी कि इस क्षेत्र में हर आत्मा को बाबा का संदेश मिले और वे अपने जीवन को सुख शांति से व्यतीत करें। जो आज विश्व शांति सरोवर बखूबी कर रहा है। शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर की निदेशिका ब्र.कु. रजनी दीदी ने कहा कि इस शांति सरोवर के निर्माण के लिए दिवंगत ब्र.कु. पुष्पा रानी की मुख्य भूमिका रही। इस भवन का उद्घाटन मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने किया था। और आज ये विश्व सेवा के लिए तथा विदर्भ क्षेत्र में आध्यात्मिकता के कई कार्यक्रमों के द्वारा लोगों के जीवन में सुख शांति प्रदान कर रहा है। जब से इसका निर्माण हुआ है, यहां आये दिन स्व-जागृति, नशा मुक्ति, चरित्र निर्माण, खुश रहने की कला आदि के प्रोग्राम चलते रहते हैं। परमात्मा की सेवायें दिन दुनी और रात चौगुनी बढ़ रही हैं। मुझे खुशी है कि प्रथम वार्षिक उत्सव में माउण्ट आबू से ईशु दादी जी अपने आशीर्वचन देने पहुंचीं। इस अवसर पर सुशील अग्रवाल, रिट्रीट सेंटर की सहसंचालिका ब्र.कु. मनीषा, ब्र.कु. देवकुमार,माउण्ट आबू, ब्र.कु. आत्मप्रकाश,मा.आबू, ब्र.कु. रुक्मणि दीदी,मा.आबू, अमरावती की ब्र.कु. सीता दीदी, ब्र.कु. प्रेमलता,कामठी, ब्र.कु. कुसुम,चंद्रपुर, ब्र.कु. शरद निंबालकर, ब्र.कु. प्रकाश, ब्र.कु. संजय, ब्र.कु. इंद्रा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सत्यम् शिवम् सुंदरम् गीत पर सुन्दर नृत्य की प्रस्तुति से हुआ।

ईशु दादी के साथ केक काटते हुए ब्र.कु. आत्म प्रकाश, ब्र.कु. प्रेम प्रकाश, ब्र.कु. देव, नंदा जिचकार, ब्र.कु. कुसुम, ब्र.कु. रजनी, ब्र.कु. रुक्मणि, ब्र.कु.प्रेमलता, ब्र.कु. सुशील व अन्य।

यहाँ आने पर मिलती है शांति : जिचकार

महापौर नंदा जिचकार ने कहा कि मुझे यहां आने पर शांति मिलती है और मेरी थकान दूर हो जाती है। मेरी शुभकामना है कि ब्रह्माकुमारी संस्थान दुनिया में अपना व भारत का नाम रौशन करे। ब्रह्माकुमारी बहनों ने यहां बुलाकर मेरा जो सम्मान किया है उसके लिए मैं दिल से आभारी हूँ।

डीसीपी - डायरेक्ट कनेक्शन टू परमात्मा

डीसीपी गजानन राजमाने ने डीसीपी का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताया कि डीसीपी यानि 'डायरेक्ट कनेक्शन टू परमात्मा'। उन्होंने बताया कि जब से वे ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े हैं वे अपने ऑफिस को मंदिर समझते हैं और सभी की मदद करते हैं। उन्होंने विश्व शांति सरोवर के प्रति अपनी शुभकामनाओं में कहा कि इस रिट्रीट सेंटर पर दूर-दूर से लोग आकर भगवान का परिचय प्राप्त करेंगे।